(This question paper contains 2 printed pages)

Roll No.

Sl. No of Question Paper: 1339

Unique Paper Code: 210504

Name of the Paper: Philosophy of Language

Name of the Course: B. A. (Hons.) Philosophy

Semester: V

F

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instruction for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** questions. All questions carry **equal** marks.
किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।

1. Performative utterances do not describe. What then is their function? Explain with examples.
निष्पादात्मक उक्तियां वर्णन नहीं करती। तो उनका क्या कार्य होता है? उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

2. Explain the five classes of utterances according to their illocutionary force.
पांच प्रकार की उक्तियों की उनके वक्तृत्वता बल के अनुसार व्याख्या कीजिए।

3. Explain the distinction between locutionary, illocutionary and perlocutionary acts, according to Austin.
ऑस्टिन के अनुसार लोक्युशनरी, इल्लोक्युसनरी एवं परलोक्यूशनरी कर्मों में भेद की व्याख्या कीजिए।

4. Are proper names meaningful or are they meaningless marks? What are the difficulties with each of these views and how does Searle seek to solve these with his theory about proper names? Discuss.
पद नामों का क्या कोई अर्थ होता है या ये अर्थहीन चिन्ह है? इन दोनों मतों के साथ क्या कठिनाईयां सामने आती है और सर्ल किस प्रकार अपने सिद्धान्त द्वारा पद नामों के संबंध में इन कठिनाईयों का हल करने का प्रयत्न करता है? विवेचन कीजिए।

5. Is it possible to derive "ought" from "is"? Critically discuss.
क्या 'अस्ति' से 'कर्त्तव्य' का व्युत्पादन संभव है? आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

P.T.O

6. How does Searle refute Russell's theory of definite descriptions? Do you find it conclusive? Discuss.
सर्ल किस प्रकार रसेल के निश्चित वर्णन के सिद्धान्त का खंडन करते हैं? क्या आप इसे निर्णयात्मक मानते हैं? विवेचन कीजिए।

7. Compare Austin's performative utterances to Searle's speech acts.
ऑस्टिन की निष्पादात्मक युक्तियों की तुलना सर्ल के भाषण अधिनियमों से कीजिए।

8. Austin said that every genuine speech act is both locutionary and illocutionary. How would Searle respond to that? Explain.
ऑस्टिन कहते है कि सभी वास्तविक भाषण अधिनियम लोक्यूशनरी और इल्लोक्यूशनरी होते हैं। सर्ल इस पर क्या प्रतिक्रिया देगें? व्याख्या कीजिए।